Rajiv Tambe

rajcopper@gmail.com / www.rajivtambe.com
Cell +91 9322399859

....

Innovative, Always.

Rajiv Tambe is a multi-award winning writer, poet, playwright and journalist. He has been consistently working for children, writing for them, teaching them using innovative methods, coaching and training teachers, meeting and counseling parents.

His methods are unique and innovative, all resulting out of his rich and varied experience, rather than bookish and pedantic theories.

His connect and appeal is almost immediate as his audience naturally connect with him sensing the sincerity of purpose.

Those who get a chance to play the number games and language games; all devised by Rajiv, are seized by the innovative fun and experience some of the unforgettable joyous moments of their lives.

…………………………………………………………………………….

01. लेखन कौशल कार्यशाला

समयः 03 घंटे
सहभागी छात्रों की आयु : कक्षा 5वी से 10वी तक
आवश्यक साहित्य : सभी प्रतिभागी अपनी कापी और पेन लाएं।

- इस कार्यशाला में छात्रोंने ‘क्या लिखना चाहिए’ ये कतई कहा नहीं जाएगा।
- ‘कैसे लिखना चाहिए’, इसपर गपशप होगी।
- लेखन की तकनीकी तथा लेखन पद्धती की पहचान।
- लिखने के लिए छात्रों पर जोर नहीं होगा।
- जो नहीं लिखेंगे, उनका भी आत्मसम्मान महफूज रहेगा।
- छात्र निजी तथा समूह में अलग अलग भाषिक खेल खेलते हैं।
- इस खेल के दौरान ‘शब्द’ और ‘अवधारण’, ‘शब्द और दृश्यछवि’ का आपसी संबंध खोजकर छात्र अपनी भाषा में सहजता से उसके अलग अलग पहलुओं का प्रकटन करते हैं।
- ‘मैं मेरे मन के विचार, मेरी भाषा तथा अपने तरीके से लिख सकता हूँ’, इसका अनुभव छात्र लेते हैं।
- छात्रों का शैक्षणिक लेखन और उनकी अभिव्यक्ति पर काफी गहरा असर पड़ता हैं।

....

02. सफल हो जाएंगे

समयः 02 घंटे
आयुः कक्षा 9वी से 12वी तक / आयु 15 से 51तक

- "हम कभी हारते नहीं, बल्कि हर समय नई बातें सीखते हैं। जो नई-नई बातें सीखता हैं वह फिर से लड़ता है, और जो लड़ता है, उसीकी जीत होती है"। सफलता पाने के लिए यही सूत्र प्रशिक्षणार्थी के मन में बोया जाता है।
- 'सोच बदलने से ही कार्य बदलता है', इसका अनुभव प्रशिक्षणार्थी लेते हैं।
- पढ़ाईं की समयतालिका नहीं, बल्कि 'अभ्यासपत्रक' कैसे बनवाना है।
- बिना तनाव लिए पढ़ाई करने का तरीका।
- परीक्षा में यकीनन कामयाबी हासिल करनेके सूत्र।
- अपना लक्ष्य निश्चित करके, उस तरफ बढ़नेकी अपनी कार्य-योजना नियोजित करना।
- खुद ही खुद को प्रेरित करके निराशा को किस प्रकार दूर रखना है?
- दूसरों से नहीं, खुद से सकारात्मक नजरियाँ से स्पर्धात्मकता कैसी रखनी है?
- बाद में सीधे छात्रों से चर्चा और सवाल-जवाब।

....

03. विज्ञान : प्रयोग के साथ गपशप

(प्रयोग करते समय, विज्ञान के बारे में गपशप करना,
भूल हुई तो उन्ही भूलों से सीखते सिखते
विज्ञान को समझने का अभिनव कार्यक्रम।)

समयः 02 घंटे
आयुः 07 से 77
आवश्यक साहित्यः पुराने अखबार

- दैनिक जीवन और विज्ञान के संबंध को जोड़ने की सप्रयोग चर्चा।
- घर और भवताल के विज्ञान की सप्रयोग चर्चा।
- सभी प्रतिभागी विज्ञान के तीन प्रयोग कर के अवधारण को समझ लेते हैं।
- बारिश काले बादलों से बरसती है या सफेद बादलों से?
- तेल गरम हुआ है या नहीं यह देखने के लिए उसमें सरसों क्यों डालते हैं?
- बच्चों की मनपसंद खाने की चीजें रखने की शीशी के जार गोल क्यूँ होते हैं?
- विविध प्रदेशों में दोपहर को सूरज माथे पर आता ही नहीं, तो उस समय घड़ी मे कितने बजे होते है?
- क्या सीलिंग फैन और टेबल-फैन एक ही दिशा में घूमते हैं?
- घर में बिना पैसे, मायक्रोस्कोप कैसे तैयार किया जा सकता है?
- कागज के सात फोल्ड क्यूँ नहीं हो पाते?
- जाम और बाम की शीशी में सही मायने में क्या फर्क है?

....

04. माता-पिताओं के लिए कार्यशाला

4A. बच्चों की पढ़ाई और माता-पिता

- बच्चों की पढ़ाई के बारें में माता-पिता की भूमिका क्या होनी चाहिए?
- बच्चों की पढ़ाई करने के अलग अलग पद्धती और उसका समायोजन।
- पढ़ाई की तरफ देखनेका सकारात्मक नजरिया कौनसा है?
- पढ़ाई करते समय तनाव-नियंत्रण कैसे करना चाहिए?
- पढ़ाई की समय-तालिका कैसे तैयार करनी चाहिए?
- बच्चों की पढ़ाई की गति बढ़ाने के लिए माता-पिता को कौनसी ५ बातें ध्यान में रखना आवश्यक है?

....

4B. बालवाड़ी के बच्चों की पढ़ाई, खेल और उनके माता- पिता

समय : 02 घंटे

- बच्चों की वाचनपूर्व तैयारी किस प्रकार होनी चाहिए?
- बच्चों की गणनपूर्व तैयारी किस प्रकार होनी चाहिए?
- बच्चों को कहानी सुनवाने के पाँच प्रकार।
- घर में ही बच्चों के साथ खेल सके ऐसे 'बिना खर्चवाले' 25 खेल।
- विशिष्ट अवधारण स्पष्ट करनेवाले खेल।
- विज्ञान से पहचान और विज्ञान के 25 आसान प्रयोग।
- ज्ञानेंद्रियों से पहचान, अनुभव और अनुभूती होने के लिए अलग-अलग खेल।
- नृत्य देखना, करना और उसका अनुभव लेना।
- बच्चों के व्यक्तित्व के विकास के लिए माता-पिता का अभ्यास।
- माता-पिता के साथ गपशप और सवाल-जवाब।

....

4C. 10वी कक्षा के छात्र और उनके माता-पिता

समयः 02 घंटे
प्रतिसहभागीः 10वी के छात्र और उनके माता-पिता

- बच्चों के मन में सकारात्मक विचार और सकारात्मक दृष्टिकोन बो देना आवश्यक है।
- इसके साथ ही, बच्चे दूसरों से नहीं, तो खुद से प्रतियोगिता किस प्रकार रखेंगे, पढ़ाई में लक्ष्य निश्चित करके उसतक कैसे पहुंचेंगे, इसके लिए अपनी अंदर की शक्ति को सकारात्मक मोड कैसे देना है, इसके बारे में बच्चों को सीखाना बेहद जरूरी है।
- अपने माता-पिता को किस प्रकार समझ लेना चाहिए, ये भी बच्चों को समझाना जरूरी है।
- परीक्षा के पहले के सात दिन और परीक्षा के उन तीन घंटों का नियोजन करने के तंत्र और मंत्र।
- बच्चों की पढ़ाई की गति बढ़े, इसके लिए माता-पिता को सही मायने में क्या करना चाहिए, इसका उचित मार्गदर्शन।
- घर के तनाव के लिए केवल माता-पिता या बच्चे ही जिम्मेदार नहीं होते, क्यों की घर के अशांत माहोल का समूचा परिणाम होता है।
- बच्चोंका, मानसिक, भावात्मक और लैंगिक भावविश्व को केंद्रित कर के, घर का तनाव किस प्रकार हल्का करना है, ये बात माता-पिता को भी सिखानी पड़ती है।

....

4D. बच्चों के साथ सीखने के नए पहलू

समयः 02 घंटे

- हम बच्चों को नहीं सिखाएंगे, बल्कि उनके साथ हमें सीखना हैं।
- बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करना है।
- असल में 'तुम कुछ भी सिख सकते हो' ये बात उनके मन में अपनी कृती से उजागर करनी है।
- इसके लिए 'समझदार' माता-पिता बनकर इस बात को ठान लेना है।
- माता-पिता की बच्चों से उम्मीदें और अनुकूल बर्ताव।
- माता-पिता और बच्चों के बीच रहनेवाले संबंध का तनाव।
- अपने बच्चे को समझने के अलग-अलग पहेलू।
- बच्चों के साथ बात करनेकी भाषा और बच्चों की भाषा।
- माता-पिता बच्चों की पाठशाला के प्रति उचित भूमिका क्यों और किस प्रकार निभा सकते हैं?
- सीधे माता-पिताओं के साथ इसके बारे में वार्ता और चर्चा।

,,,

05. बालवाड़ी-अध्यापिकाओं के लिए कार्यशाला

समयः 06 घंटे
प्रशिक्षणार्थीः 25 से 35 तक
आवश्यक साहित्यः बालवाड़ी में इस्तेमाल होनेवाले खिलौने.

- बच्चों के साथ खेले जानेवाले भाषिक, गणिती और विज्ञान के खेल, साथ ही अन्य कल्पक खेल। बल्कि नए-नए खेल का निर्माण कैसे करना है इसका मार्गदर्शन किया जाएगा।
- अध्यापिका कम से कम 29 प्रकार के खेल खेल सकती है और नए खेलों का निर्माण कर सकती है। खेल के पीछे का विज्ञान समझ लेती है।
- प्रत्यक्ष रूप में बालवाड़ी में उपलब्ध होनेवाले शैक्षिक उपकरणों का अलग प्रकार से इस्तेमाल, विविध क्षमता विकसित करने के लिए किस तरीके से किया जा सकता है इसका सप्रयोग मार्गदर्शन।
- बच्चों की मानसिक और भावनात्मक जरूरतें समझकर नई-नई चीजें किस प्रकार बनवानी हैं, इस बात को समझना अध्यापिका के लिए आवश्यक है।
- इसके बारे में कथालेखन का प्रत्यक्ष अनुभव कार्यशाला में मिल जाता है।
- अध्यापिका नई कथाएं लिखती है और प्रभावी रूप से उन्हें प्रस्तुत करती है।
- चित्रवाचन और चित्रवाचन के अनेकानेक पहलू समझकर, अध्यापिका द्वारा, बच्चों में सवाल पूछनेका कौशल विकसित करने की पद्धती।
- बालवाड़ी के बच्चों के मानसिक और भावनात्मक प्रश्न, पढ़ाई में आनेवाली मुसीबतें और अध्यापिका के अध्ययन और अध्यापन की समस्याएं इसके बारे में उपबोधन (Counselling) और मुक्त वार्ता।

....

06. प्राथमिक अध्यापकों के लिए : अध्यापन कौशल कार्यशाला

समयः 06 घंटे
प्रशिक्षणार्थीः 40 अध्यापक
भाषाः मराठी, इंग्रजी, हिंदी

- अध्यापकों को अध्यापन करते समय आनेवाली मुसीबतें तथा उनके निवारण के आसान उपाय। सकारात्मक नजरिया और कक्षा-नियंत्रण।
- बच्चों की हस्ताक्षर में सुधार लाने के लिए और लेखन में दिलचस्पी पैदा करने के लिए खेल। निबंध लेखन की 9 अलग-अलग पद्धती।
- बच्चों को अगर '3003' संख्या लिखने को कहे, तो कुछ बच्चे '30003' ऐसा लिखते हैं, तो कई बच्चे '36' या '63' अंक लिखते समय भ्रमित हो जाते हैं, इन समस्याओं को दूर करने के लिए आसान खेल।
- आधा, पाव, पौना इन अवधारणों को समझने में और उनका दैनिक व्यवहारों में उपयोग करने में कुछ बच्चों को कठिनाई होती हैं, आसान खेलों के माध्यम से ये अवधारण और मूल्यांकन समझने का प्रत्यक्ष अनुभव देना।
- किसी भी कक्षा में आसानी से किए जानेवाले और पाठ्यक्रम से जुड़े विज्ञान के (बिना खर्चवाले) आसान प्रयोग।
- गणित और भाषिक (बिना खर्चवाले) पाठ्यक्रम से जुड़े आसान 29 खेल, ये खेल संकल्पना स्पष्ट करनेके लिए तथा दोहराव और मूल्यांकन के लिए हैं।
- हर एक शैक्षिक समस्यापर उपाय होता ही हैं, इसका अनुभव अध्यापकों को प्रशिक्षण काल में ही मिलता है।

....